

समुद्गत वि. (तत्.) उत्पन्न, उदित, जो ऊपर उठा हो, प्रादुर्भूत।

समुद्गम पुं. (तत्.) उत्थान, ऊपर जाना, उद्गम, उत्पन्न, उत्पत्ति, प्रकटीकरण, प्रादुर्भाव।

समुद्गार पुं. (तत्.) सम्यक् कथन उठाना, बहुत अधिक वमन अथवा कै होना।

समुद्दीपित वि. (तत्.) अच्छी तरह उद्दीप्त।

समुद्दीप्त वि. (तत्.) जिसका उद्दीपन अच्छी तरह किया गया हो या हुआ हो, अच्छी तरह उद्दीप्त।

समुद्देश पुं. (तत्.) पूरी व्याख्या या विवरण, पूर्ण कथन सिद्धांत, अभिप्राय, निर्देश, आशय।

समुद्धत वि. (तत्.) ऊपर उठा या उठाया हुआ, ऊँचा परिवर्द्धित उत्तेजित घमंड में फूला हुआ, अशिष्ट, अहंकारी, अभिज्ञानी चंचल।

समुद्धरण पुं. (तत्.) 1. उद्धार करना 2. दूर करना, हटाना, उन्मूलन 3. ऊपर उठाना, खींचकर निकालना 4. वह अन्न जो वमन करने पर पेट से निकला हो।

समुद्धर्ता वि. (तत्.) 1. ऊपर की ओर उठाने या निकालने वाला 2. उद्धार करने वाला, उद्धारक 3. ऋण चुकाने वाला 4. जड़ से उखाड़ने वाला, मूलोच्छेदक।

समुद्धार पुं. (तत्.) दे. समुद्धरण।

समुद्भव पुं. (तत्.) 1. उत्पत्ति, जन्म 2. पुनरुज्जीवन 3. उपनयन संस्कार के समय किए जाने वाले हवन के लिए जलाई गई आग।

समुद्भूति स्त्री. (तत्.) समुद्भव, उत्पत्ति, जन्म।

समुद्यत वि. (तत्.) 1. जो पूर्णरूप से उद्यत हो, पूर्ण रूप से तैयार, प्रदत्त 2. ऊपर उठाया हुआ।

समुद्यम पुं. (तत्.) 1. प्रयत्न, उद्यम, चेष्टा, उद्योग 2. आरंभ, शुरु 3. ऊपर उठाना 4. तैयारी, आक्रमण।

समुद्योग पुं. (तत्.) 1. पूरी तैयारी, चेष्टा, प्रयत्न 2. बहुत से कारणों का एक साथ हो जाना।

समुद्र पुं. (तत्.) वि. मुद्रा युक्त, मुद्रांकित।

समुद्र कफ पुं. (तत्.) समुद्र का झाग, फेन।

समुद्रकांची स्त्री. (तत्.) समुद्र की मेखला, पृथ्वी, समुद्रमेखला।

समुद्रकांता स्त्री. (तत्.) नदी, समुद्र की स्त्री, नदी को समुद्र की स्त्री माना जाता है।

समुद्रग वि. (तत्.) समुद्र की ओर जाने वाला, समुद्रीय कार्य करने वाला।

समुद्रगर्भीय पुं. (तत्.) समुद्र-तल के नीचे दबी हुई वस्तुएँ, रत्न आदि।

समुद्रगा स्त्री. (तत्.) समुद्र की ओर जाने वाली, नदी।

समुद्रगामी वि. (तत्.) समुद्री व्यापार करने वाला।

समुद्रगुप्त पुं. (तत्.) गुप्त वंश का एक राजा।

समुद्रगृह पुं. (तत्.) जल में बना हुआ घर, स्नानागार, समुद्र के भीतर बनाया हुआ ग्रीष्म भवन।

समुद्रज पुं. (तत्.) 1. शंख 2. मोती 3. अमृत 4. चंद्रमा वि. समुद्र में उत्पन्न।

समुद्र झाग पुं. (तत्.+देश) समुद्र का फेन।

समुद्र तट पुं. (तत्.) समुद्र का किनारा।

समुद्रतता वि. (तत्.) समुद्र की तरह विस्तृत एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः जगण, सगण, जगण, सगण, तगण, भगण, गुरु के योग से 19 वर्ण होते हैं।

समुद्रतारा स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की समुद्र की मछली जिसकी आकृति तारे की तरह होती है।

समुद्र नवनीत पुं. (तत्.) 1. अमृत 2. चंद्रमा।

समुद्र नेमि स्त्री. (तत्.) पृथ्वी।

समुद्र-पत्नी स्त्री. (तत्.) समुद्र की पत्नी, नदी।

समुद्र पार पुं. (तत्.) समुद्र के पार, विदेश।

समुद्रफल पुं. (तत्.) 'निचुल' नामक एक सदाबहार वृक्ष जो समुद्र के तटवर्ती क्षेत्रों में पाया जाता है, हिज्जल का वृक्ष।